www.shriramedu.com

✆ 9414015200
श्रीराम कॉम्पिटिशन क्लासेज प्रा.लि. सीकर
An ideal institute for Competitive Exams
हैड ऑफिस: भाटी मेंशन, बजाज रोड, सीकर ✆ 01572-254777

HAND WRITTEN
Classroom Coaching
NOTES

Best Faculty Team + Super Coaching System + Personal care = श्रीराम कोचिंग, सीकर

विषय :- राजनीति विज्ञान

I-Grade Teacher

पंथनिरपेक्षता / धर्मनिरपेक्षता (Secularism)

* अर्थ: धर्मनिरपेक्षता शब्द अंग्रेजी के 'Secular' - जो लेटिन भाषा से बना है जिसका अर्थ है - 'सांसारिक' (लौकिक)।
* वह प्रवृति जो राजनीतिक गतिविधियों को केवल लौकिक क्षेत्र तक सीमित करने की समर्थक है जिसे धर्म से कोई लेना-देना नहीं है।"
* इसके दो अर्थ है –
  - नकारात्मक : धर्म, धार्मिक गतिविधियों से अलगाव।
  - सकारात्मक : समस्त विषयों के सम्बन्ध में विचार की एक लौकिक दृष्टि।
* आम्बेडकर - "धर्मनिरपेक्षता का अर्थ यह नहीं कि हम लोगों की धार्मिक भावनाओं का आदर नहीं करेंगे। इसका केवल यही अर्थ है कि राज्य लोगों पर कोई धर्म नहीं थोपेगा"

पंथ निरपेक्ष राज्य की विशेषताएँ :

* राज्य का कोई विशेष धर्म न होना तथा सभी धर्मों को समान दर्जा देना।
* सभी धर्मों के प्रति सहिष्णुता या एक-दूसरे के प्रति सहनशीलता बनाए रखना। (सहिष्णुता : बर्दाश्त करने की क्षमता (जिसे हम नापसंद करते हैं))
* धर्मनिरपेक्ष राज्य अधार्मिक नहीं बल्कि धार्मिक आडम्बरवाद, कट्टरता व भेदभाव का विरोधी है
* मानव धर्म को सर्वश्रेष्ठ मानते हुए विश्व बन्धुत्व की भावना मे आस्था रखना
* सभी धार्मिक मान्यताओं का आदर करना।
* धर्म व्यक्ति का आंतरिक विश्वास है राज्य या समाज का नहीं।

---

* सर्वाधिकारवाद का विरोध करना अर्थात धार्मिक जीवन सार्वजनिक हित मे बाधक न हो।
* शिक्षा के पाठ्यक्रम मे धार्मिक शिक्षा पर प्रतिबन्ध
* नैतिकता के नियमों को स्वीकारना चाहे वह किसी धर्म से जुड़ी हो (Ex- पीपल मे पानी, गंदगी न-)

धार्मिक वर्चस्ववाद :

* किसी क्षेत्र में बहुसंख्यक धर्म द्वारा अल्पसंख्यकों पर अपना वर्चस्व स्थापित करना जैसे - कश्मीरी पंडितों को घाटी से हटाना, 1984 के सिख दंगे, 2002 के गुजरात दंगे।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य :

* भारतीय धर्मनिरपेक्षता अल्पसंख्यकों और पिछड़ों के अधिकारों की रक्षा करता है।
* भारतीय धर्मनिरपेक्षता में राज्य समर्थित धार्मिक सुधारों की गुंजाइश भी है।
* सभी धर्मनिरपेक्ष राज्यों मे एक बात समान होती है - वे न तो धर्मतांत्रिक है न ही खास धर्म की स्थापना करते हैं।
* साम्प्रदायिक सद्भावना बढ़ाने हेतु शिक्षा प्रसार, साझेदारी तथा आपसी जागरुकता जरूरी है
* पंथनिरपेक्षता में विविध संस्कृतियों व पंथों को फलने-फूलने का समान अवसर मिलता है।
* भारतीय धर्मनिरपेक्षता मे सब धर्म एक समान नहीं है, अल्पसंख्यकों की सरकार सहायता कर सकती है।
* धर्मनिरपेक्षता मे नास्तिकता नहीं आस्तिकता होती है।
* पश्चिमी धर्मनिरपेक्षता में व्यक्ति व उसके अधिकारों को केन्द्रीय महत्व दिया जाता है। भारतीय धर्म निरपेक्षता में धार्मिक सुधार की भी अनुमति है।

www.shriramedu.com

✆ 9414015200

श्रीराम कॉम्पिटिशन क्लासेज प्रा.लि. सीकर

An ideal institute for Competitive Exams

हैड ऑफिस: भाटी मेंशन, बजाज रोड, सीकर ✆ 01572-254777

HAND WRITTEN Classroom Coaching NOTES

Best Faculty Team + Super Coaching System + Personal care = श्रीराम कोचिंग, सीकर

विषय :- राजनीति विज्ञान

I-Grade Teacher

नागरिकता (Citizenship)

* नागरिकता एक राजनैतिक समुदाय की सम्पूर्ण और समान सदस्यता है। जिसमें राज्य की ओर से किसी व्यक्ति को सामाजिक व राजनीतिक अधिकार दिए जाते हैं और व्यक्ति को इन अधिकारों के बदले राज्य के प्रति कुछ कर्त्तव्यों का पालन करना होता है।

आदर्श नागरिकता की विशेषताएँ/तत्व

* अधिकारों व कर्त्तव्यों के प्रति जागरुकता
* उदार विचारधारा होना, शिष्टाचार, सुशिक्षा
* व्यक्तिगत स्वार्थ के स्थान पर जनकल्याण की भावना
* सभी धर्मों का सम्मान

आदर्श नागरिकता के मार्ग में बाधाएं :

* स्वार्थपरता, उदासीनता, दलबंदी की भावना, अशिक्षा, निर्धनता, पूँजीवाद, जातीयता, प्रान्तीयता, साम्प्रदायिकता, सामाजिक प्रथाएँ

नागरिकों का प्रकार :

*(i) जन्मजात नागरिक (ii) देशीयकरण से प्राप्त नागरिकता

* गार्नर के अनुसार- "देशीयकरण से तात्पर्य है विदेशी को नागरिकता देने की पद्धति।"
* जन्मजात नागरिकता — ① रक्त या वंश आधारित, ② जन्म स्थान आधारित।

नागरिकता की प्राप्ति :

* विवाह से, निवास से, सरकारी सेवा से, सम्पत्ति खरीदने से, किसी क्षेत्र को जीतकर, गोद से,

भारतीय संविधान में नागरिकता :

* एकल नागरिकता (ब्रिटेन से)
* नागरिकता संघीय विषय है, राज्य-सरकार की शक्ति नहीं। संसद द्वारा।
* नागरिकता प्राप्ति - जन्म सिद्धान्त से व वंश सिद्धान्त से।
* भाग-2, अनुच्छेद 5-11 तक

अन्य प्रमुख तथ्य :

* विलियम बॉयड — "कर्त्तव्यों के उचित क्रम निर्धारण का नाम नागरिकता है।"
* लॉस्की — "अपनी शिक्षित बुद्धि को लोकहित में उपयोग करना ही नागरिकता है।"
* लॉर्ड ब्राइस - "नागरिकता गुण, बुद्धि, आत्मसंयम व उत्तरदायित्व की वस्तु है।"
* टी. एच. मार्शल का नागरिकता सिद्धान्त - नागरिकता अधिकार, राजनैतिक अधिकार, सामाजिक अधिकार (Book: Citizen and Social Science)
* मार्टिन लूथर अमेरिका में काले लोगों को अधिकार दिलाने के आन्दोलन नेता थे।

✆ 9414015200
श्रीराम कॉम्पिटिशन क्लासेज प्रा.लि. सीकर
An ideal institute for Competitive Exams
हैड ऑफिस: भाटी मेंशन, बजाज रोड, सीकर ✆ 01572-254777
HAND WRITTEN Classroom Coaching NOTES
Best Faculty Team + Super Coaching System + Personal care = श्रीराम कोचिंग, सीकर
विषय :- राजनीति विज्ञान
I-Grade Teacher

विकास (Development)

* विकास एक सकारात्मक परिवर्तन होता है जिसमें केन्द्र-बिन्दु व्यक्ति होता है। अर्थात नागरिकों के कल्याण को ध्यान में रखकर राज्य द्वारा विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जाते है जिससे उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य, पानी, बिजली, सड़के इत्यादि बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति कर उनका जीवन-स्तर बेहतर बनाया जाता है।

विकास व संवृद्धि (Development & Growth)

* विकास व्यापक है - नागरिकों का जीवनस्तर, बौद्धिक स्तर व देश मे बुनियादी ढांचा मजबूत
* संवृद्धि संकीर्ण है - राष्ट्रीय आय, GDP, प्रतिव्यक्ति आय इत्यादि मे वृद्धि
* विकास गुणात्मक (Qualitive) है तथा संवृद्धि मात्रात्मक (Quantitive) है।

* गुन्नार मिर्डल के अनुसार - "आधुनिकीकरण के आदर्शों को सामाजिक जीवन मे उतारना ही विकास है"

* आजादी के बाद 15 मार्च 1950 को योजना आयोग की स्थापना की गई जिसने 2014 तक 12 पंचवर्षीय योजना बनाकर देश का विकास किया। उसे समाप्त करके 1 जनवरी 2015 को नीति आयोग बना उसका भी उद्देश्य देश मे सहयोगात्मक विकास करना है।

* योजना आयोग द्वारा विकास हेतु भाखड़ा नांगल बाँध, स्टील उद्योग, कृषि विकास, गरीबी उन्मूलन, आत्मनिर्भरता, महिला सशक्तिकरण, बाल विकास इत्यादि लक्ष्य बनाकर विकास किया।

विकास के उद्देश्य :

* - सम्पूर्ण देश व समाज की उन्नति, देश की सम्पदा, आय, तकनीकी मे वृद्धि करना समाज का बुनियादी विकास, आधुनिकीकरण इत्यादि।

धारणीय/संपोषणीय विकास (Sustainable Development)

* पर्यावरण को बिना हानि पहुंचाए विकास करना जैसे कृषि में रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर जैविक (Organic) खेती करना, प्रदूषण (वायु, जल, मृदा) पर नियंत्रण रखते हुए विकास करना।
* विकास में गांधीवादी मूल्यों को भी शामिल करना जैसे - "पृथ्वी पर प्रत्येक मनुष्य की आवश्यकता पूर्ति के संसाधन है, लेकिन लालच की पूर्ति के नहीं।" लालच से तात्पर्य है प्राकृतिक संसाधनों का अनंत दोहन करना, जो हानिकारक है।
* डॉब डाडस ने विकास के 4 मापदण्ड दिए हैं - मात्रा, कार्यक्षमता, स्वतंत्रता, पारस्परिक सेवा
* मिचेल ने विकास के 6 मापदण्ड दिए हैं -
  ① राष्ट्रीय प्रभुसत्ता में वृद्धि ② अशिक्षा से सार्वभौम शिक्षा की ओर रूपांतरण
  ③ कानून के समक्ष सभी की समानता मे वृद्धि
  ④ धन का अधिक विकेन्द्रीकरण व न्यायपूर्ण वितरण की ओर परिवर्तन
  ⑤ स्त्रियों की स्थिति में दासी के स्थान पर साथी के रूप में परिवर्तन
  ⑥ एकतंत्र से प्रजातंत्र तथा सार्वभौम वयस्क मताधिकार की ओर परिवर्तन करना